# BACHELOR OF EDUCATION

## Term-End Examination

## June, 2022

## ES-334 : EDUCATION AND SOCIETY

*Time : 3 hours* *Maximum Weightage : 70%*

***Note :*** *All* ***four*** *questions are compulsory. All questions carry equal weightage.*

**1.** Answer the following question in about 600 words :

Discuss the role of education to meet the aspirations of Indian society.

**OR**

Critically discuss the social demand for education in the present scenario.

**2.** Answer the following question in about 600 words :

What is meant by education ? Discuss Education as a process.

**OR**

Describe the role of community as an Agency of Education.

**3.** Write short notes on any ***four*** of the following in about 150 words each :

(a) Types of Schools in India

(b) Pragmatism – its philosophical principles and the role of a teacher

(c) Minimum Level of Learning

(d) Semester system – Concept and Advantages

(e) Relevance of important recommendations of Kothari Commission (1964) for present day education system

(f) School as a miniature society

**4.** Answer the following question in about 600 words :

As a teacher, you must have experienced problems and issues related to 'vocationalisation'. Describe them. How can you minimise these problems to make vocationalisation successful ?

# शिक्षा में स्नातक उपाधि

## सत्रांत परीक्षा

## जून, 2022

## ई.एस.-334 : शिक्षा तथा समाज

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम भारिता : 70%*

***नोट :*** *सभी* ***चारों*** *प्रश्न अनिवार्य हैं । सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।*

**1.** निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

भारतीय समाज की अपेक्षाओं को पूरा करने में शिक्षा की भूमिका की चर्चा कीजिए ।

**अथवा**

वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा के लिए सामाजिक माँग की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

**2.** निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

शिक्षा से आपका क्या तात्पर्य है ? शिक्षा की एक प्रक्रिया के रूप में चर्चा कीजिए ।

**अथवा**

शिक्षा के एक निकाय के रूप में समुदाय की भूमिका का वर्णन कीजिए ।

**3.** निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारत में विद्यालयों के प्रकार

(ख) प्रयोजनवाद – इसके दार्शनिक सिद्धान्त और शिक्षक की भूमिका

(ग) अधिगम के न्यूनतम स्तर

(घ) सेमेस्टर व्यवस्था – सम्प्रत्यय एवं लाभ

(ङ) वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के सन्दर्भ में कोठारी आयोग (1964) की महत्त्वपूर्ण अनुशंसाओं की प्रासंगिकता

(च) एक लघु समाज के रूप में विद्यालय

**4.** निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

एक शिक्षक होने के नाते, आपने 'व्यावसायिकीकरण' से जुड़ी समस्याओं तथा मुद्दों से अवश्य अनुभव किया होगा । उनका वर्णन कीजिए । आप व्यवसायिकीकरण को सफल बनाने के लिए इन समस्याओं को कैसे कम करेंगे ?